ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

" कमजोर संकल्पों की
जाल को समाप्त करने
वाली मैं सफलता सम्पन्न
आत्मा हूं "

मास्टर सूर्य बन अनुभूति की किरणें फैलाओ

बापदादा- 25.03.2005

अभी दुःख बहुत-बहुत बढ़ रहा है, बढ़ता रहेगा। इसलिए मास्टर सूर्य बन अनुभूति की किरणें फैलाओ। जैसे सूर्य एक ही समय में कितनी प्राप्तियां कराता है, एक प्राप्ति नहीं कराता। सिर्फ रोशनी नहीं देता, पावर भी देता है। अनेक प्राप्तियां कराता है। ऐसे आप सभी इन 6 मास में ज्ञान सूर्य बन सुख की, खुशी की, शान्ति की, सहयोग की किरणें फैलाओ। अनुभूति कराओ। आपकी सूरत को देखते ही दुःख की लहर में कम से कम मुस्कान आ जाये। आपकी दृष्टि से हिम्मत आ जाये। तो यह अटेन्शन देना है। विधाता बनना है, तपस्वी बनना है। ऐसी तपस्या करो जो तपस्या की ज्वाला कोई न कोई अनुभूति कराये। सिर्फ वाणी नहीं सुनें, अनुभूति कराओ। अनुभूति अमर होती है। सिर्फ वाणी थोड़ा समय अच्छी लगती है सदा याद नहीं रहती। इसलिए अनुभव की अथॉरिटी बन अनुभव कराओ। जो भी सम्बन्ध-सम्पर्क में आ रहे हैं उन्हों को हिम्मत, उमंग-उत्साह अपने सहयोग से बापदादा के कनेक्शन से दिलाओ। ज्यादा मेहनत नहीं कराओ। न खुद मेहनत करो न औरों को कराओ। निमित्त हैं ना! तो वायब्रेशन ऐसे उमंग-उत्साह का बनाओ जो गम्भीर भी उमंग-उत्साह में आ जाये। मन नाचने लगे खुशी में।

ओम् शान्ति

अव्यक्त शिक्षाएँ

उलझन, अप्राप्ति, मन की मूंझ- यह सब हैं कांटे। इन कांटों से किनारा करना अर्थात् बेहद की खुशी का अनुभव करना है। कुछ भी हो जाए हद की प्राप्ति का त्याग भी करना पड़े, कई बातों को छोड़ना भी पड़े, बातों को छोड़ो लेकिन ख़ुशी को नहीं छोड़ो।

अ.बापदादा-13.01.86

परमात्म इशारे

Peace of Mind

जिसको खुद को चलाना आता है,
जो अपनी स्व-स्थिति की seat पर set है,
अर्थात् मन से स्थिर है,
तो वह सबको चला लेगा ...
और जो अपनी स्व-स्थिति की seat से उतर गया,
तो जब वह खुद को ही नहीं चला पा रहा,
तो औरों को कैसे चला पायेगा !
फिर दूसरी आत्मायें उसके डर से काम करेंगी,
या फिर मजबूरी से...,
प्रेम से या दिल से नहीं।

d2h 1221 | dishtv 1087 | TATA PLAY 1065
airtel 678 | SUN DIRECT 496 | JioTV 1065

शिव भगवानुवाच

' बाप ने सारे विश्व में से हमें चुनकर अपना बना लिया' - यह खुशी रहती है ना । इतने अनेक आत्माओं में से मुझ एक आत्मा को बाप ने चुना -

यह स्मृति कितना खुशी दिलाती है ! तो सदा इसी खुशी से आगे बढ़ते चलो। बाप ने मुझे अपना बनाया क्योंकि मैं ही कल्प पहले वाली भाग्यवान आत्मा

थी , अब भी हूं और फिर भी बनूंगी - ऐसी भाग्यवान आत्मा हूं । इस स्मृति से सदा आगे बढ़ते चलो ।

(अव्यक्त बापदादा : 27.3.1988)

He did not call me, so I did not call him.
She did not wish me, so I did not wish her.
They did not help me, so I did not help them.
They are not punctual, so I need not go on time.

They are behaving through their sanskars,
Why do we copy them?
Be Yourself, Radiate Your Sanskars,
ALWAYS and WITH EVERYONE.

facebook.com/BKShivani | youtube.com/BKShivani

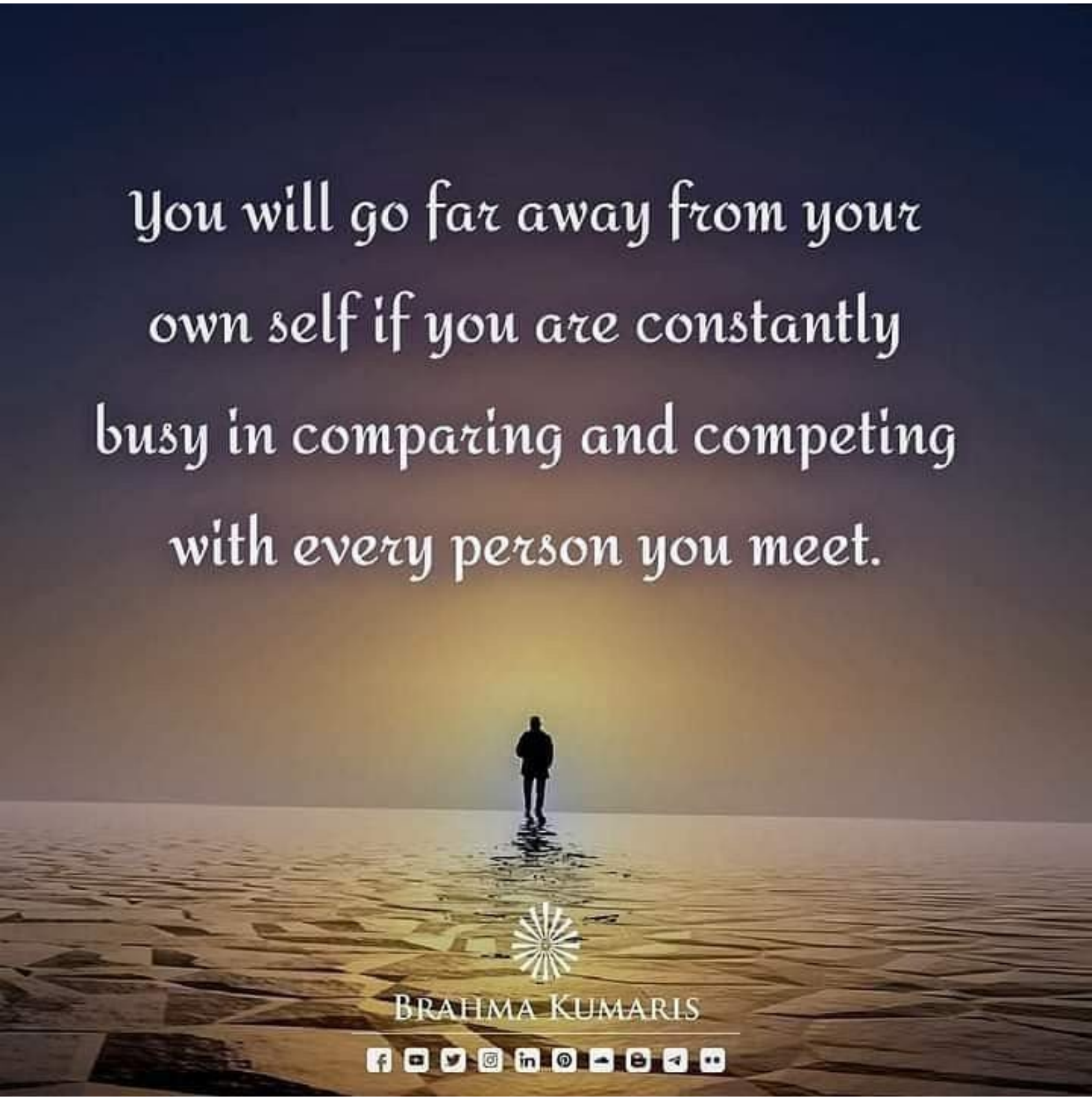
You will go far away from your own self if you are constantly busy in comparing and competing with every person you meet.
BRAHMA KUMARIS

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org